

इस प्रश्नपत्र में से थोड़े-बहुत (अंशतः) प्रश्न दिनांक. १६ फरवरी, २००३ के दिन
आनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

जनवरी, २००३

समय : सुबह ९ से ११.१५

कुल गुण : ७५

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नं.	प्राप्तांक
	१	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	११.	
	१२.	
	कुल	

परीक्षार्थी क्रमांक

--	--	--	--	--	--	--

शब्दों में

केन्द्र नंबर

--	--	--	--	--

केन्द्र का नाम :

परीक्षार्थी की उम्र : वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास :

वर्ग सुपरवाइज़र का हस्ताक्षर :

नोंध :-

१. दाहिनी ओर प्रश्न के अंक दर्शाए गए हैं ।
२. सूचना के मुताबिक प्रश्न के उत्तर दीजिए ।
३. छेकछाकवाले जवाब मान्य नहीं है ।

परीक्षक का हस्ताक्षर :

(विभाग- १ : नीलकंठ चरित्र)

प्र. १. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, यह लिखिए।

[१०]

१. “दूध और भात दो ।”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?.....

कब ?

२. “जिनके लिए हम सबने गाँव-गाँव सदाव्रत कर रखे थे, ये वे ही वर्णीराज हैं ।”

३. “पहले मुझ पर वह अपनी विद्या का प्रयोग करे ।”

४. “सभी को इनका उत्तर देना कठिन लगा ।”

५. “नीलकंठ प्रभु जहाँ से मिले वहाँ से वापस बुला लाओ ।”

प्र. २. निम्नलिखित विधान के कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में)

[६]

१. जगन्नाथपुरी में आसुरी साधुओं का विनाश हुआ ।

.....

२. नीलकंठ ने कोस का पानी नहीं पीया ।

३. नीलकंठ ने तपस्वियों को चतुर्भुज नारायण भगवान के रूप में दर्शन दिए ।

प्र. ३. निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य वाक्य लिखिए।

(टिपण्णी आवश्यक नहीं है।)

[५]

१. गोपालयोगी से मिलन । २. भगवानदास को चिहनों के दर्शन । ३. पुलहाश्रम में तप ।

प्रसंग :

१.

.....

२.

.....

३.

.....

४.

.....

५.

.....

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[५]

१. नीलकंठवर्णी सारे दिन में क्या और कितनी बार खाते ?

.....

२. रामजी मंदिर के साधुओं ने नीलकंठ को किससे मुफ्त करने को कहा ?

३. नीलकंठ ने खोजा प्रेमजी ठक्कर को क्या कहा ?

४. रामानंद स्वामी को किस की भक्ति बहुत अच्छी लगती थी ?

५. नीलकंठ ने सत्रधर्मा राजा को किसका माहात्म्य समझाया ?

प्र. ५. निम्नलिखित वाक्य सही है या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लीखिए।

[५]

१. घनश्याम ने कुहँ में दिव्य स्वरूप में रघुनंदन को दर्शन दिए ।

.....

२. हरकी पेडी पर राजा महादत्त और नीलकंठवर्णी का फिर से मिलन हुआ ।

.....

३. काठियावाड नीलकंठ के धामरूप अनादि अक्षरब्रह्म की जन्मभूमि है ।

.....

४. भूतों के राजा बटुक भैरव पर हिमालय देव ने मुट्ठियाँ मारी ।

.....

५. नीलकंठ कावड लेकर पीपलाणा में भिक्षा माँगते थे ।

.....

प्र. ६. निम्नलिखित विधान की पूर्ति कीजिए।

[४]

१. भारत में स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है ।

२. संयोगी साधु के पुत्र का नाम था ।

३. बुटोलनगर के राजा का नाम था ।

४. लक्ष्मणजी का भाव देखकर नीलकंठ लक्ष्मणझूला में दिन रहे ।

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-१)

प्र. ७. निम्नलिखित वाक्य कौन, किसे और कब कहते हैं, वह लिखिए।

[१०]

१. "आप लोग तो कल दोपहर से यहाँ बैठे हुए हैं !"

कौन कहता है? किसे कहता है ?.....

कब?

२. “महाराज के अँगूठे से तेज निकला ।”
३. “आज तुम्हारी खोडियार माता के मंदिर भी चलें ।”
४. “धाम में आने की जल्दबाजी नहीं करना ।”
५. “तुम लोग तो बम्बई के सेठ जैसे हो । इस मंदिर के निर्माण का काम तुम्हें ही पूरा करना पड़ेगा ।”

प्र. ८. निम्नलिखित विधान के कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में)

[६]

१. जेठाभाई के ज्ञानचक्षु खुल गए ।

.....

.....

.....

२. देवानंद स्वामी के कीर्तन संप्रदाय में ‘चाबखा (कोडे)’ नाम से प्रसिद्ध है ।
३. हाथिया पटगर ने जीवुबा को अनुमतिपत्र लिख दिया ।

प्र. ९. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्यों को ढूँढकर सिर्फ उसके नंबर लिखे।

[५]

प्रसंग :- भक्तराज झीणाभाई

१. महाराज के पास मुझे याद करना, तो मेरा अच्छा होगा ।
२. चिट्ठीयाँ पढ़ने से घर लौटने का विचार हो जाय और सत्संग के सुख में बाधा पड़ जाय ।
३. आज अच्छा करना है, आओ मिलाए ।
४. हरिभक्तों के व्यवहार में यदि कुछ अनुचित हो जाय तो महाराज उनके द्वारा सब को उलाहना देते थे ।
५. डभाण के शास्त्री योगेश्वरदास और जगतपावनदास का उन्हें योग हुआ ।
६. जूनागढ के नवाब की कचहरी में बैठे हुए एक जीव का दम घुट रहा था ।
७. महाराज मिले तो दर्द कम हो जाय ।
८. महाराज को बिनती करके पचास संतों को अपने यहाँ रखा ।
९. संवत् २००६ ज्येष्ठ शुक्ला चौदश को धाम में गए ।
१०. आचार्य कुंजविहारीप्रसादजी महाराज के पास दीक्षा ली ।

केवल नंबर:-

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[५]

१. आशाभाई ने कितने साल की उम्र में दीक्षा ली ?

.....

२. शुकानंद स्वामी के पूर्वाश्रम का नाम क्या था ?
३. आचार्य महाराज ने जेठा भगत को किस मंदिर के कोठारी के रूप में नियुक्ति की ?
४. लाडुदानजी के मातापिता के नाम क्या थे ?
५. जीवुबा का जन्म कब हुआ था ?

प्र. ११. निम्नलिखित ‘अ’ विभाग के सामने ‘ब’ विभाग में से योग्य शब्द खोजकर सही जोड़े बनाइए।

[४]

‘अ’	‘ब’
१. झीणाभाई	१. बापुजीभाई
२. हाथिया पटगर	२. जीजीभाई
३. देवीदान	३. राईबाई
४. जोबनपगी	४. अदीबा

इस प्रश्नपत्र में से थोड़े-बहुत (अंशतः) प्रश्न दिनांक. १६ फरवरी, २००३ के दिन
आनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २००३

समय : दोपहर २ से ४.१५

कुल गुण : ७५

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नं.	प्राप्तांक
	१	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	११.	
	कुल	

परीक्षार्थी क्रमांक

--	--	--	--	--	--	--	--

शब्दों में

केन्द्र नंबर

--	--	--	--	--

केन्द्र का नाम :

परीक्षार्थी की उम्र : वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास :

वर्ग सुपरवाइज़र का हस्ताक्षर :

नोंध :-

१. दाहिनी ओर प्रश्न के अंक दर्शाए गए हैं ।

२. सूचना के मुताबिक प्रश्न के उत्तर दीजिए ।

३. छेकछाकवाले जवाब मान्य नहीं है ।

परीक्षक का हस्ताक्षर :

(विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश)

प्र. १. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, वह लिखिए। [१०]

१. “सभी भक्त बराबर-योग्य हैं, लेकिन माला के मनके में उन सबका आना मुश्किल ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

कब?

२. “तुम्हारी दरिद्रता चली जायेगी ।”

३. “हम तो भगवान स्वामिनारायण के भक्त हैं, अपना धर्म सम्हालकर चलते हैं।”

४. “युद्ध में मुझे जो जीतेगा उसीके साथ मैं विवाह करूँगी ।”

५. “हम तो प्रत्येक जीव को आत्मा और परमात्मा का सही परिचय कराने आये हैं ।”

प्र. २. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल सात सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखे। [७]

प्रसंग :- राणा राजगर ।

१. गोलिडा गाँव में चार भाई रहते थे। २. श्रीजीमहाराज के दर्शन होते ही उनको समाधि हो गई। ३. वे महाराज के पास वर्तमान लेकर दृढ निष्ठावान सत्संगी हो गए। ४. चारों भाइयों ने भगवान को प्रसन्न करने के लिए तप किया। ५. गाँव में या सीम में किसी को भी लेने के लिए यमदूत न आवे, ऐसा वर उनको प्राप्त हुआ। ६. कुसंगी व्यक्ति को ले जाने में कोई दोष नहीं, ऐसा सोचकर यमदूत गाँव में घुस गए। ७. लाठी लेकर भाइयों ने यमदूतों को भगा दिया। ८. उन्होंने यमदूतों का मोक्ष किया। ९. चारों भाई बारी बारी से गाँव की रखवाली करते थे। १०. यमदूतों ने चारों भाइयों को खुश होकर भेंट-सौगाद दी। ११. राघव और वशराम ‘यमभटभरे’ साधु नाम से प्रख्यात थे। १२. श्रीजीमहाराज ने दोनों भाइयों को यमपुरी में सत्संग के लिए भेजे।

केवल नंबर:-

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। [६]

१. हमें कैसी भक्ति करनी चाहिए ?

.....

२. फाल्गुन शुक्ला पूर्णिमा को किसका जन्मदिन है ?

३. शिक्षापत्री क्या करती है ?

४. कठोपनिषद में क्या कहा है ?

५. श्रीजीमहाराज बोचासण में कितनी बार और क्यों आये थे ?

६. शीतलदास कहाँ के रहनेवाले थे ?

प्र. ४. निम्नलिखित स्वामी द्वारा कही गई बातों में से किसी भी एक की पूर्ति कर उसका निरूपण कीजिए। [६]

१. एक व्यक्ति ने लाख रुपये की अथवा १. भगवान ने कहा है की

.....

.....

.....

.....

(विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज)

प्र. ६. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, यह लिखिए।

[१०]

१. "महाराज और स्वामी की कक्षा का कोई व्यक्ति नहीं हो सकता ।"

कौन कहता है? किसे कहता है?.....

कब?

२. "शास्त्रीजी तो पादरा गए हैं ।"

३. "या तो यहाँ भगतजी को आप रखिये अथवा हमें ।"

४. "अब से इस सद्गुरु नारायणस्वरूपदासजी की आज्ञा का हमेशा पालन करते रहियेगा ।"

५. "आपकी मरजी और आज्ञा हो तो हिंमत है ।"

प्र. ७. निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (विवरण आवश्यक नहीं है।) [५]

१. बोचासण मंदिर ।

२. प्रागजी भक्त से प्रभावित ।

३. इन्द्र को आह्वान ।

प्रसंग :

१.

.....

२.

.....

३.

.....

४.

.....

५.

.....

प्र. ८. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[५]

१. स्वामीश्री ने किसे हमेशा साथ रहने की प्रार्थना की ?

.....

२. यज्ञपुरुषदास किस के साथ सोरठ के पंचतीर्थ करने निकले ?

३. एकान्तिक सत्पुरुष में कैसे लक्षण होते हैं ?

४. शास्त्रीजी महाराज के कौन से विद्यागुरु, गुरु न बनकर शिष्य बने ?

५. डुंगर भक्त ने कब गृहत्याग किया ?

प्र. ९. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत यह निर्देशित करके गलत वाक्यों को सुधारकर लीखिए।

[५]

१. वडताल के साधु बालमुकुन्ददासजी स्वामी का सर्वनाश करने के लिए तैयार हो गए थे ।

२. महेलाव के राईजीभाई मथुर भक्त को मुग्धभाव से देखते थे ।

३. बेचर भगत ने लटकते हुए पत्थर पर चढ़कर रस्सी बाँध दी ।

४. भगतजी ने यज्ञपुरुषदास को काशी पढ़ने के लिए जानेकी आज्ञा की ।

५. अक्षरपुरुषोत्तम का जयघोष पहलीबार बोचासण में हुआ ।

प्र. १०. निम्नलिखित विधान की पूर्ति कीजिए।

[५]

१. यज्ञपुरुषदास को मिली हुई श्रीजीमहाराज की पादुकाएँ चाहते थे ।

२. साधु को तो हमेशा में ही भोजन करना चाहिए ।

३. भगवान में देखकर सच्चा ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता ।

४. गढडा में यज्ञपुरुषदास ने को शास्त्रार्थ में पराजित किया ।

५. यह ताकत आप लोगों की नहीं है लेकिन आप लोगों में बसकर काम कर रही हैं ।

(विभाग - ३ : सत्संग प्रारंभ परीक्षा की पुस्तकों के आधार पर)

प्र. ११. निम्नलिखित प्रसंगों में से किन्हीं तीन विषय पर विचार विस्तार कीजिए ।

(मुख्य परीक्षा में सभी तीन विषय पर विचार विस्तार करना होगा ।)

[१२]

१. नाई को चमत्कार । (घनश्याम चरित्र) अथवा

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

